NTA का पुनर्गठन

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

इसरो के पूर्व अध्यक्ष **के. राधाकृष्णन** की अध्यक्षता में सरकार द्वारा नियुक्त पैनल ने **राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA)** में **व्यापक सुधारों** की सिफारिश की है।

NTA के पुनर्गठन के लिये प्रमुख सिफारिशें क्या हैं?

- **सशक्त शासन: लेखापरीक्षा, नैतिकता और हितधारक संबंधों** पर तीन उप-समितियों के साथ एक सशक्त शासी निकाय का निर्माण करना।
  - **महानिदेशक (DG)** की एक विशिष्ट नेतृत्वकारी भूमिका होनी चाहिये तथा वह कम से कम **अतिरिक्त सचिव स्तर** का होना चाहिये।
- **'डिजी परीक्षा' प्रणाली:** इसमें फर्जीवाड़ा रोकने के लिये '**डिजी परीक्षा**' प्रणाली शुरू करने का सुझाव दिया गया है।
  - यह प्रक्रिया परीक्षा प्रक्रिया के **विभिन्न चरणों** में उम्मीदवारों की पहचान प्रमाणित करने के लिये **आधार, बायोमेट्रिक्स और AI एनालिटिक्स** का उपयोग करती है।
- **मोबाइल परीक्षण केंद्र (MTC): पूर्वोत्तर, हिमालयी राज्यों और द्वीपों** जैसे सुदूरवर्ती स्थानों तक पहुँचने के लिये बसों (Buses) को **वर्क-स्टेशन, इंटरनेट कनेक्टिविटी और विद्युत् आपूर्ति** से सुसज्जित करना।
- **हाइब्रिड परीक्षण विधियाँ: एन्क्रिप्टेड प्रश्न पत्रों** को परीक्षण केंद्रों के केंद्रीकृत सर्वरों पर प्रेषित किया जाना चाहिये है, तथा गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिये **उच्च गति वाले प्रिंटर** का उपयोग करके सुरक्षित रूप से मुद्रित किया जाना चाहिये।
- **प्रश्न पत्रों का मुद्रण:** मुद्रण, पैकेजिंग और परिवहन के दौरान मुद्रण प्रेस पर **पूर्व-अनुमोदन सत्यापन** और सतत् निगरानी की जानी चाहिये।
  - प्रश्नपत्र और OMR शीट **विशिष्ट रूप से कोडित और ऑडिटेड** होनी चाहिये।
- **नवाचारों का परीक्षण:** पैनल ने **तीन नीतिगत नवाचारों** की सिफारिश की।
  - **बहु-सत्र परीक्षण:** बड़े पैमाने पर होने वाली परीक्षाओं के लिये, विशेषकर जब प्रतिभागियों की संख्या **दो लाख से अधिक** हो।
  - **बहु-चरणीय परीक्षण:** परीक्षण **चरणों** में आयोजित किया जाएगा, जिसमें **प्रत्येक चरण** में अभ्यर्थी के ज्ञान या कौशल के **विशिष्ट पहलू** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - **क्लस्टर दृष्टिकोण: CUET प्रवेश** के लिये विषय वस्तुओं की विस्तृत शृंखला को संबंधित विषयों के अधिक **केंद्रित क्लस्टरों में सुव्यवस्थित करना।**
- **परीक्षा केंद्र आवंटन:** पैनल ने **अभ्यर्थियों के निवास के निकट** परीक्षा केन्द्र आवंटित करने तथा प्रत्येक ज़िले में सुरक्षित केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।
  - राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को सरकारी संस्थानों को प्राथमिकता देते हुए **1,000 सुरक्षित केंद्र** स्थापित करने का लक्ष्य रखना चाहिये।
- **स्थायी स्टाफ:** इसने NTA को **स्थायी स्टाफ नियुक्त** करने की सिफारिश की।
- **सहयोग:** NTA को संपूर्ण परीक्षण प्रक्रिया के दौरान **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)** और **वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)** सहित **टेस्ट इंडेंटिंग एजेंसियों** के साथ सहयोग करना चाहिये।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी क्या है?

- **परिचय:** NTA की स्थापना **वर्ष 2017** में **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत पंजीकृत एक **सोसायटी** के रूप में की गई थी।
- **उद्देश्य:** यह **उच्च शिक्षण संस्थानों** में प्रवेश/फेलोशिप के लिये प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिये एक **प्रमुख, विशेषज्ञ, स्वायत्त और आत्मनिर्भर परीक्षण संगठन** है। उदाहरण के लिये, JEE (मेन), CMAT, UGC - NET आदि।
- **शासी निकाय:** NTA की अध्यक्षता **शिक्षा मंत्रालय** द्वारा नियुक्त एक **प्रतिष्ठित शिक्षाविद्** द्वारा की जाती है।
  - महानिदेशक को **शिक्षाविदों/विशेषज्ञों की अध्यक्षता में 9 विभागों** द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
  - **CEO** सरकार द्वारा नियुक्त महानिदेशक होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/restructuring-of-nta